E-Learning Study Material

By - Prof (Dr.) YADWENDRA SINGH
Subject - Economics
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY, ARA BIHAR

B.A. Economics Hons third Year

प्रश्न :- हाल की लेकिन प्रतिपादित नई आर्थिक नीति (New Economic Policy) या NEP के विभिन्न पहलुओं (Features) की व्याख्या करें।

रूस में क्रियान्वित नई आर्थिक नीति (New Economic Policy) (NEP) एक आर्थिक पद्धति थी जिसको क्रियान्वयन गृह युद्ध के दौरान किया गया था लेकिन वास्तव में युद्ध से पहले शुरू हुआ और 1921 तक युद्ध के बाद प्रभाव में रहा ठीक इसी समय जब बोलशेविकों ने सत्ता को जब्त कर लिया लेनिन ने उनका अनुमान किया देश के भीतर की समस्याएँ न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक स्वरूप की भी थी। क्रांति के बाद शुरू के कुछ महिनों के भीतर जो भी बदला जा सकता था उसे बदल दिया गया। सोवियत संघ के उन पहले महिनों में किये जाने वाले परिवर्तनों को सबसे गहरा प्रभाव पूँजीपतियों से निजी संपत्ति लेना था, खेत, कारखाना, मिलें, रेलमार्ग, बैंक और अन्य संपत्तियां जिसमें कोई मुआवजा नहीं है। किसानों की कटाई राज्य द्वारा जब्त की गयी थी। यह कार्य इस विचार के साथ किया गया कि यह सभी उस राज्य में जायगा जहाँ यह समान रूप से वितरित किया जायगा। राज्य में सेवा प्रदान करने के लिए नागरिक और सैन्य दोनों से सेवा प्राप्त करने के लिए मजबूत श्रम नितियाँ (Labour Policy) स्थापित एवं कियान्वित की गयी

लेनिन ने 25 अप्रैल 1921 को टैक्स इन काइंड पॉलिसी एक्ट की जिसने अधिशेष खाद्य विनियोग की जगह ली या यूं कहें कि वह नीति जिसमें किसानों की उपज की एक निश्चित राशि सौंपी गयी थी जिसका राज्य हकदार था।

बाद में संयोगवश लेनिन को एहसास हुआ कि रूस की अर्थव्यवस्था तत्काल साम्यवाद के दबाव से गिर रही है क्योंकि किसानों की संख्या काफी बढ़ गयी थी। सर्वहारा वर्ग का उदय हो चुका था और मात्र 10 प्रतिशत से भी कम आबादी कारखानों में श्रमिकों के रूप में कार्य करती थी बाकी लोग खेतों में काम करते थे। उन्हें इस नयी आर्थिक नीति के योग्य बनाया गया जिसके लिए आगे भी प्रयास किये गये।

लेनिन के अनुसार अर्थव्यवस्था को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाने के दो विकल्प थे या तो पूँजीपति सत्ता पर काबिज हो जाय और कम्युनिस्टों या पूँजीवाद का उपयोग सर्वहाराओं और किसानों द्वारा किया जाय। इसलिए नई आर्थिक नीति के प्रस्ताव में बहुत कुछ जोर दिया गया था कि व्यक्तिगत प्रोत्साहन और जिम्मेदारी का सिद्धान्त क्रियाशील होगा ऐसा कि यह घोषणा की गयी है कि NEP का तात्पर्य

का मतलब यह है कि किसानों के बीच मुक्त व्यापार की अनुमति होगी और उन्हें मनपसंद कर (Tax) निर्धारण की अनुमति होगी। इस प्रकार राज्य ने अपने लोगों पर अपना विश्वास स्थापित किया। इस प्रकार कर प्रणाली संचालित की गयी।

इस प्रकार सोवियत लोगों से यह उम्मीद की गयी कि वे न केवल बोल्शेविकों और ~~कम्युनिस्ट~~ कम्युनिस्ट पार्टी का बचाव करें बल्कि कम्युनिज्म के कारणों की भी रक्षा करें। इससे संभावित उत्पन्न समस्याओं के निदान के लिए सोवियत सरकार ने कई रणनीति की चर्चा की जिस पूँजीवाद के नियंत्रण के लिए लागू किया गया।

नई आर्थिक नीति से सम्बंधित दस्तावेजों का गहन अध्ययन और विश्लेषण के पश्चात साम्यवाद की मजबूत अभिव्यक्ति और साम्राज्यवाद ~~और~~ तथा पूँजीवाद के खिलाफ यह कुछ ऐसा प्रतीत होता है कि पूँजीवाद के खतरों को मिटा है और साम्यवाद से आशय सोवियत लोगों को अब पूँजीपतियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करना होगा इससे पूँजीपति ही ~~अधिक~~ समृद्ध होंगे जिस पर राज्य नजर रखेगा क्योंकि ~~राज्य~~ अर्थव्यवस्था का नियंत्रण राज्य के हाथों में था।

इस प्रकार साम्यवाद के अंतर्गत सभी पूँजीवादी प्रणाली को जीवित रखते हुए राज्य को और मुक्त बाजार में राज्य के नियंत्रण में कार्य करेंगे और लाभ के आधार पर कार्य करेंगे जिससे उद्यम समृद्ध होगा। 1931 तक देश के सभी उद्योग और देश वाणिज्य पर राज्य के नियंत्रण को फिर से लागू किया ~~गया~~ गया।

Scanned with CamScanner